मौखिक :-

(क) श्यामू को पतंग उड़ाने का शौक था।

(ख) श्यामू ने अपने काका से रंग-बिरंगा पतंग माँगा।

(ग) श्यामू पतंग को भगवान राम के पास भेजना चाहता था।

(घ) पतंग के ऊपर काकी लिखा था।

(ङ) काकी के प्रति अबोध श्यामू का प्रेम देखकर विश्वेश्वर की आखो से आँसू आगए।

लिखित :-

3)(क) 'काकी भगवान के पास गई है'
यह बात श्यामू की समझ में नहीं
आई क्योंकि श्यामू अबोध बालक था
उसे समझाना बहुत कठिन था इसलिए
उसे बहलाने के लिए यह बात कही
गई। अगर उसे बताया जाता कि
उसकी काकी की मृत्यु हो गई है
और वह कभी वापस नहीं आएगी
तो उसे बहुत दुख होता। श्यामू को
उम्मीद थी कि एक दिन उसकी काकी
भगवान राम के घर से वापस

आदमी और उसे पहले की तरह प्यार करेगी। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि श्याम से उसकी काकी की मृत्यु की सच्चाई छुपाई गई।

(ख) श्याम पतंग द्वारा काकी को नीचे लाना चाहता था इसके लिए उसने अपने काका की कोट से पैसे निकाले तथा उन पैसों से उसने भोला से पतंग व रस्सी मँगवाई। पतंग पर 'काकी' के नाम की चिट भी लगा दी ताकी पतंग सीधे काकी के पास

पहुँचे और वह राम के घर की पतंग पकड़कर नीचे आ जाएगा।

(ग) श्यामू का अपनी काकी के प्रति असीम प्रेम देखकर तथा उनको पाने के लिए उसने जो उपाय किए उनको देखकर विश्वेश्वर हतप्रभ हो गया।

4.(ख) इन पंक्तियों को पढ़कर लगता है कि श्यामू की मनःस्थिति अत्यंत दयनीय व भावुक थी। अपनी काकी की मृत्यु हो जाने पर या हमेशा - हमेशा के लिए सो जाने के भेद से वह

अनजान था। जो उसके दुख का मुल कारण था। यही वजह थी जब उसके घर वाले काकी को श्मशान घाट ले जा रहे थे

तो वह फूट-फूटकर रोने लगा। उसको रोते-बिलखते देखकर घर वालों का कलेजा भी मुँह को आ गया। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि उसके घरवाले अपने को और श्यामू को सही स्थिति से अवगत नहीं करा पा रहे थे।